P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-4* December- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता में समुदाय की सहभागिता व समस्या का अध्ययन

सारांश

किसी भी राष्ट्र की उन्नति एवं विकास के लिए उस राष्ट्र के नागरिकों का शिक्षित होना परम आवश्यक है। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त देश में बड़ी द्रुतगति से शिक्षा का विकास हुआ और प्रारंभिक शिक्षा में कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

इन परियोजनाओं ने जनचेतना जगाने का पुरजोर अनुकूल आधार तैयार किया। इन परियोजनाओं की गुणवत्तायुक्त सफलता के लिए इनमें समुदाय की सहभागिता का भी महत्वपूर्ण योगदान माना गया। इसी उद्देश्य के तहत् सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता में समुदाय की सहभागिता व समस्याओं को आंकने का प्रयास किया गया है।

मुख्य शब्द : प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता, समुदाय की सहभागिता व समस्या, सर्व शिक्षा अभियान

सरिता जैन
व्याख्याता,
हिन्दी एवं संस्कृत विभाग,
शिक्षा संकाय,
विद्या भवन गाँधी शिक्षा अध्ययन संस्थान, बड़गांव,
उदयपुर,राजस्थान

प्रस्तावना

देश के संविधान निर्माताओं ने एक विकसित और सम्मुन्नत राष्ट्र की तथा शिक्षित व जागरूक नागरिकों वाले समाज की कल्पना की थी तभी शिक्षा को एक सामाजिक कर्तव्य मानते हुए इसे नीति–निर्देशक तत्वों में प्रमुख स्थान दिया। शिक्षा के माध्यम से राज्यों का कर्तव्य था कि 6–14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराये परन्तु आजादी के 60 वर्षों बाद भी 6–14 वर्ष के लगभग 14 करोड़ बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। तथा 5 करोड़ बच्चे मजदूरी का कार्य करने के लिए बाध्य हैं। ये शोचनीय विषय है

प्रारंभिक शिक्षा में कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं के माध्यम से इन लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इन्हीं योजनाओं में से एक है सर्वशिक्षा अभियान इसका मुख्य आधार है विकेन्द्रीकरण एवं जनसहभागिता। सर्वशिक्षा अभियान सामुदायिक सहभागिता एवं प्रबंधन में अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु सामुदायिक गतिशीलता को महत्वपूर्ण आधार मानता है। सामान्यतः सामुदायिक गतिशीलता का अर्थ है किसी व्यक्ति या वर्ग का अपनी सामाजिक संरचना में इच्छा व योग्यता के आधार पर उच्च या निम्न स्थिति को प्राप्त करना। इसके अन्तर्गत स्थानीय समुदायों से यह अपेक्षा की गई है कि वे सक्रिय सहयोग देकर सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करें।

इस प्रकार उपरोक्त संदर्भ में सामुदायिक सहभागिता को एक प्रभावी अधिकरण माना गया है जिसमें शिक्षा प्रबंधन में समुदाय को एक आदर्श सहभागी के रूप में तथा प्रभावशाली संस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को लागू करने में प्रभावी पर्यवेक्षक के रूप में स्वीकार किया गया है। इस प्रकार शिक्षा में समुदाय की सहभागिता स्वतः स्पष्ट होती है। किसी भी योजना को प्रभावी बनाने में समाज की अहम भूमिका होती है। समुदाय की सहभागिता शिक्षा के उद्देश्यों को प्राप्त करने में कितनी सहायक है?, क्या समुदाय इस क्षेत्र में अपनी भूमिका निर्वहन में सक्षम है? क्या समुदाय के सहयोग से शिक्षा का गुणात्मक स्तर उन्नत होता है?

समस्या कथन

''सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता में समुदाय की सहभागिता व समस्या का अध्ययन''

"A Study of community participation and problem for quality dimension of elementary education under Sarva Shiksha Abhiyan"

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-4* December- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

शोध के उद्देश्य

1. प्रबन्धकीय समितियों का गठन तथा उनकी कार्यप्रणाली का अध्ययन करना।
2. समुदाय की सहभागिता की प्रबन्धकीय भूमिकाओं का अध्ययन करना।
3. शिक्षा प्रबन्धन में सामुदायिक सहभागिता के लिए समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करने के प्रयासों का अध्ययन करना।
4. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए किये गये प्रयासों का अध्ययन करना।
5. सामुदायिक सहभागिता की पर्यवेक्षणीय तथा मूल्यांकन संबंधी कार्यों का अध्ययन करना।
6. सामुदायिक सहभागिता का प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता पर प्रभाव का अध्ययन करना।
7. स्थानीय समुदाय की सहभागिता में आने वाली समस्याओं को ज्ञात करना।
8. स्थानीय समुदाय की सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक सुझाव प्राप्त करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

1. गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा की संप्राप्ति में समुदाय की सार्थक सहभागिता प्राप्त नहीं होती है।
2. प्रारंभिक शिक्षा की समस्याओं के समाधान में समुदाय की सार्थक सहभागिता प्राप्त नहीं होती है।
3. विद्यालयों के शैक्षिक वातावरण के निर्माण में समुदाय की रुचि का अभाव दिखाई देता है।

न्यादर्श

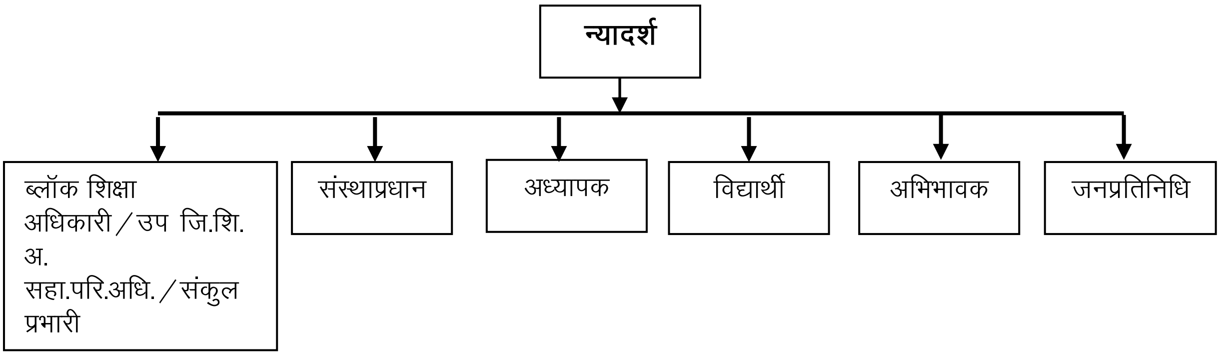

न्यादर्श में शामिल उत्तरदाताओं की वर्गानुसार संख्या इस प्रकार है–

क्र.सं.	उत्तरदाताओं का वर्ग	लक्ष्य उत्तरदाता संख्या
1.	संस्थाप्रधान	25
2.	अध्यापक	50
3.	विद्यार्थी	400
4.	अभिभावक	100
5.	जनप्रतिनिधि	25
6.	अधिकारी	12

शोध विधि

सर्वेक्षण विधि

शोध में प्रयुक्त उपकरण

प्रस्तुत शोध अध्ययन से सम्बन्धित कोई भी उपकरण पूर्व में निर्मित न होने के कारण शोधार्थी ने अपने शोध उद्देश्यों की पूर्ति हेतु स्वनिर्मित उपकरणों का उपयोग किया–

1.	प्रश्नावली	संस्थाप्रधानों हेतु प्रश्नावली
		शिक्षकों हेतु प्रश्नावली
		विद्यार्थियों हेतु प्रश्नावली
2.	साक्षात्कार अनुसूची	अभिभावकों हेतु साक्षात्कार अनुसूची
		जनप्रतिनिधियों हेतु साक्षात्कार अनुसूची
		शिक्षाधिकारियों हेतु साक्षात्कार अनुसूची
3.	अवलोकन प्रपत्र	

विदेशों में किए गए शोध अध्ययन

विदेशों में अनौपचारिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा एवं अनवरत शिक्षा शीर्षक के अन्तर्गत शोध अध्ययन किए गए। अन्तर्राष्ट्रीय शोध अध्ययन के सारांश अध्ययनों में दर्शाए गए वे इस प्रकार है–

Conjue, Pou (1994) "Adult Christian Education for Body Boomers : Adesriptive Case Study of three American Churches", Ph.D., University of North Taxas, 1994, PP. 135.

भारत में किए गए शोध अध्ययन

पीएच.डी स्तर के शोध

एक प्रणाली विश्लेषण'' पीएच.डी. सागर वि.वि. मध्यप्रदेश।

इस अध्ययन मे अनौपचारिक शिक्षा द्वारा समुदाय में होने वाले परिवर्तन का अध्ययन किया गया।

1. पुरुषों की तुलना में महिलाओं में निरक्षरता अधिक है।
2. लोग स्वयं भी अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खोलने के लिए तैयार है।

खन्ना, ऋतु (2010) ''विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों हेतु सर्व शिक्षा अभियान के तहत हुए प्रयासों का अध्ययन'', पीएच.डी. राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर।

शोध के निष्कर्ष

प्रबंधकीय समितियों के गठन तथा उनकी कार्यप्रणाली का विश्लेषण का निष्कर्ष

संस्थाप्रधान, अध्यापक व अधिकारियों के मतानुसार विद्यालय विकास समिति के सदस्यों की चयन, राज्य सरकार द्वारा जारी नियमों के अनुरूप किया जाता

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-4* December- 2017
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

है। विद्यालय विकास समिति के चुनाव प्रक्रिया में लगभग आधे अभिभावक और जनप्रतिनिधि ही जागरूक होकर सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। यह विचार प्रबन्धन में सामुदायिक गतिशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत समुदाय की सहभागिता की प्रबंधकीय भूमिकाओं की स्थिति एवं विश्लेषण

शोध के द्वितीय उद्देश्य समुदाय की सहभागिता की प्रबंधकीय भूमिका की स्थिति का अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ कि विद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में समुदाय के सदस्यों को आमंत्रित किया जाता है परन्तु सरपंच सा. के अतिरिक्त कुछ ही अभिभावक इन कार्यक्रमों में सम्मिलित होते हैं। अन्य विद्यालय को एक पृथक् व्यवस्था मानते हैं जिसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है ''यह मत सामुदायिक गतिशीलता का मुख्य आधार ''शिक्षा के लक्ष्यों की प्राप्ति अध्यापक व समुदाय का साझा दायित्व है। इस विचार पर प्रश्न चिह्न उपस्थित करता है।

शिक्षा प्रबंधन में सामुदायिक सहभागिता के लिए समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करने के प्रयासों के अध्ययन का विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

शोध के तृतीय उद्देश्य शिक्षा प्रबंधन में सामुदायिक सहभागिता उत्पन्न करने के प्रयासों का अध्ययन करने पर ज्ञात हुआ कि SMC के गठन से समुदाय के सदस्यों में जागरूकता आई है तथा विद्यालयी गतिविधियों में भी रूचि लेने लगे हैं।

अतः कहा जा सकता है कि प्रारम्भिक शिक्षा के गुणात्मक उन्नयन में शिक्षक, अधिकारी व जनप्रतिनिधि सार्थक सहभागिता का निर्वाह कर रहे हैं।

विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए किए गए प्रयासों के अध्ययन का विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

अध्यापकों के मतानुसार प्रेरणादायी आवासीय शिविरों के आयोजन में गम्भीर दोष से पीड़ित बालक बालिकाओं के शिक्षण व उनकी व्यवस्था में समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे बच्चों को अंग व उपकरण प्रदान करने में समुदाय के सदस्य सहयोग प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों के मतानुसार उनके शिक्षण हेतु अतिरिक्त कालांश की व्यवस्था की जाती है। जनप्रतिनिधि अपने स्तर पर ऐसे बच्चों के अभिभावकों को प्रेरित व जागरूक करने हेतु सहयोग प्रदान करते हैं।

सामुदायिक सहभागिता की पर्यवेक्षणीय तथा मूल्यांकन सम्बन्धी कार्यों के अध्ययन का विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

अधिकांश अभिभावक बैठकों में आकर छात्र–प्रगति सम्बन्धी चर्चा करते हैं परन्तु कुछ अभिभावक समयाभाव के कारण नहीं आ पाते हैं।

बालिका शिक्षा के अनुपात को बढ़ाने में संचालित विभिन्न गतिविधियों का महत्त्वपूर्ण योगदान है, अभिभावकों ने भी इस मत का समर्थन किया है।

अधिकारीगण भी प्रत्येक गतिविधि की समीक्षा कर परिवर्तन हेतु योजना निर्माण करते हैं तथा जनप्रतिनिधियों ने आमुखीकरण कार्यक्रमों की उपयोगिता को स्वीकार किया। विद्यार्थियों ने भी प्रत्येक गतिविधि को स्वयं के लिए लाभप्रद माना।

सामुदायिक सहभागिता का प्रारंभिक शिक्षा की गुणात्मकता पर प्रभाव के अध्ययन का विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

अध्यापकों के मतानुसार प्रशिक्षण शिविरों की व्यावहारिकता व सैद्धान्तिकता में अन्तर होने से इन शिविरों में उनकी रूचि कम ही रहती है। अध्ययन–अध्यापन सामग्री के रखरखाव हेतु कक्ष की उपलब्धता में समुदाय द्वारा आर्थिक सहयोग प्राप्त न होने से ये सामग्री लम्बे समय तक उपयोगी नहीं रहती है। उपचारात्मक कक्षाओं में जो कि विद्यालय समय के पूर्व या पश्चात् संचालित होती हैं उनमें अभिभावकों का सहयोग प्राप्त नहीं होता है। अभिभावकों का मत है कि इन कक्षाओं में जाने पर भी बच्चों का शैक्षिक स्तर विशेष रूप से उन्नत नहीं हुआ है।

भामाशाहों द्वारा विद्यालय विकास हेतु आंशिक सहयोग प्राप्त होता है। अधिकारियों के अनुसार सामुदायिक मुखिया विद्यालय में संचालित गतिविधियों के संचालन व उन्नयन में सहयोग कम ही प्रदान करते है।

सर्व शिक्षा के अन्तर्गत स्थानीय समुदाय की सहभागिता में आने वाली समस्याओं के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

1. विद्यालय विकास समिति के सदस्यों में शिक्षित सदस्यों की संख्या कम।
2. SMC की संचालन प्रक्रिय जटिल तथा निर्णय बहुमत के आधार पर नहीं किए जाते हैं।
3. बजट आदि पारित करवाने में सदस्यों का सहयोग प्राप्त न होना।
4. SMC की बैठकों में जनप्रतिनिधियों व अभिभावकों की रुचि का अभाव।
5. बच्चों के नामांकन व ठहराव को बढ़ावा देने में समुदाय के पूर्ण सहयोग का अभाव।
6. अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खुलवाने व बच्चों को उनमें भेजने में रुचि का अभाव।
7. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को केम्प में भेजने तथा उनके लिए आवश्यक अंग व अन्य सुविधाओं को प्रदान करने में समुदाय के सहयोग में कमी रहती है।
8. अधिकारियों द्वारा योजनाओं का पूर्ण क्रियान्वयन नहीं, मात्र पूर्ण करना ही एक उद्देश्य है।
9. दूरस्थ विद्यालयों में अध्यापकों की कमी।
10. भौतिक संसाधनों का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण नहीं।
11. उपचारात्मक कक्षाओं के आयोजन से विशेष लाभ नहीं।
12. नामांकन व ठहराव के कारण तक न पहुँचने से मूल समस्याओं का समाधान नहीं।
13. प्रत्येक गतिविधि व सत्र के मध्य उत्पन्न समस्या क्षेत्रों के लिए फण्ड की व्यवस्था करना कठिन है।
14. आमुखीकरण कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की रुचि का अभाव।

सर्व शिक्षा के अन्तर्गत स्थानीय समुदाय की सहभागिता को सुदृढ़ बनाने के लिए प्राप्त सुझावों के विश्लेषण से प्राप्त निष्कर्ष

1. विद्यालय विकास समिति की सदस्य संख्या में शिक्षित सदस्यों का प्रतिशत बढ़ाना चाहिए अर्थात् उनकी न्यूनतम योग्यता निर्धारित करनी चाहिए जिससे कार्य निष्पादन में समझ विकसित हो सकें।

2. विद्यालय विकास समिति की कार्य निष्पादन की सम्पूर्ण प्रक्रिया व नियमों की जानकारी व महत्त्व से सदस्यों को अवगत कराया जाए।
3. बच्चों के नामांकन व ठहराव को बढ़ावा देने हेतु रैली व नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से प्रेरित किया जाए।
4. शत प्रतिशत नामांकित क्षेत्र को सम्मानित किया जाए।
5. बालिका शिक्षा की योजनाएँ समझाना व उनका महत्त्व बताना तथा सोच परिवर्तन हेतु प्रेरित करना।
6. अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र विद्यार्थियों की तथा अभिभावकों की आवश्यकतानुसार खोले जाए तथा उनकी उपयोगिता से परिचित करवाया जाए।
7. विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करने हेतु भामाशाह को प्रेरित किया जाए।

निष्कर्ष

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारंभिक शिक्षा की गुणात्मकता में समुदाय की सहभागिता को बढ़ावा देने से अभिभावकों व जनप्रतिनिधियों के मनोबल में वृद्धि हुई तथा SMC के कार्यों से लेकर विद्यालय की शैक्षिक व सहशैक्षिक गतिविधियों के प्रति उनकी सजगता व सकारात्मकता देखी गई। साथ ही सक्रिय रूप से जुड़े संस्थाप्रधान व शिक्षक में भी गाँव के लोगों से सहयोग व प्रोत्साहन मिलने से मनोबल में वृद्धि देखी गई। विद्यालय से जुड़े सभी वर्ग व समुदाय के सदस्य आपसी तालमेल से अपने कार्य को संपादित करें तो प्रारंभिक शिक्षा में शत प्रतिशत नामांकन व गुणवत्ता के लक्ष्य को शीघ्र ही अर्जित किया जा सकता है।

भावी शोध हेतु सुझाव

एक अध्ययन कई अन्य अध्ययनों की नींव होता है उसी से शोध क्षेत्र में एक नव दृष्टि प्राप्त होती है, इसी प्रकार प्रस्तुत शोध भी अन्य शोधकार्यों की ओर संकेत करता है जो निम्नांकित रूप में प्रस्तुत है–

1. सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा की गुणात्मकता में समुदाय की सहभागिता व समस्याओं का अध्ययन से सम्बन्धित अध्ययन राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर भी किए जा सकते हैं।
2. सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्रारम्भिक शिक्षा की गुणवत्ता का मुख्यालय से समीप तथा मुख्यालय से दूरवर्ती विद्यालयों पर पड़ने वाले प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन किया जा सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Books (English)

1. *Anastasia (1982). Psychological Testing. Fourth Edition, New Delhi : Prentice Hall of India.*
2. *Best, J.W. (1963). Research in Education. New Delhi: Prentice Hall of India.*

Books (हिन्दी)

3. *चौबे, सरयू प्रसाद (1995) तुलनात्मक शिक्षा. आगराः विनोद पुस्तक मंदिर।*
4. *ढौंढियाल, एस.; फाटक, ए. (1972). शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र. जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी।*
5. *गुप्ता, एस.पी. (2006). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।*
6. *कपिल, एच.के. (2006). अनुसंधान विधियाँ (व्यवहार परक विज्ञान में). आगरा : एच.पी. भार्गव बुक हाउस।*

Documents

7. *भारतीय संविधान (1996). जोधपुर : कानून प्रकाशन।*
8. *वार्षिक कार्य योजना 2007–08 (एस.एस.ए. एवं डी.पी.ई.पी.) राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिशद्, जयपुर।*
9. *सर्व शिक्षा अभियान. राजस्थान की वार्षिक रिपोर्ट (2011–12)*
10. *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा (2005). नई दिल्ली : राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्।*
11. *गुणवत्ता पूर्ण अध्यापक शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम. (1998). नई दिल्ली : राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद्।*

Journals & Magazines

12. *प्रौढ़ शिक्षा, नवम्बर 2011*
13. *परिपत्र : 2006–07, राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा, जयपुर*
14. *SMDC Mannual, राजस्थान प्रारंभिक शिक्षा परिषद्, जयपुर*
15. *विद्यामेघ, पत्रिका जनवरी 2011*

Dictionaries and Encyclopadies

16. *भारत सरकार (1978). शिक्षा परिभाषा कोश. नई दिल्ली : वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग।*
17. *Good, C.V. (1959). Dictionary of Education. New York : Megra Hill Company.*

Surveys

18. *Buch, M.B. (1978-1983). III Survey of Research in Education. New Delhi: NCERT.*
19. *Buch, M.B. (1983-1988). IV Survey of Research in Education. New Delhi: Vol. I, NCERT.*
20. *Buch, M.B. (1983-1988): IV Survey of Research in Education. New Delhi: Vol. II, NCERT.*

Webliography

21. *<http://ssa,nic,in/girls_education/kasturba-gandhi-balika-vidyalaya>*
22. *<http://www.ncert.nic.in/html/pdf/announcement/kgbvreport.pdf>*
23. *<http://www.education.nic.in/kgbv guidelines.asp>*